Class - 8
Subject - HINDI
पाठ – 10 मित्रता (आचार्य रामचंद्र शुक्ल)

मौखिक

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

क. युवक को संसार में अपनी स्थिति जमाने में पहली कठिनाई क्या होती है?

उत्तर युवक को संसार में अपनी स्थिति जमाने में पहली कठिनाई सच्चे मित्र के चुनाव की होती है।

ख. खज़ाना किसे कहा गया है?

उत्तर विश्वासपात्र मित्र को खज़ाना कहा गया है।

ग. उत्तम वैद्य की–सी निपुणता और परख किसमें होती है?

उत्तर सच्ची मित्रता में उत्तम वैद्य की–सी निपुणता और परख होती है।

घ. अच्छी संगति से लाभ क्या होता है?

उत्तर अच्छी संगति से हमारे भीतर अच्छे गुणों का विकास होता है। हम जीवन में सफलता की ओर अग्रसर होते हैं। बुराइयों से बचाव होता रहता है।

3. लिखित

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

क. मित्रता से आत्मशिक्षा का कार्य कैसे सुगम हो जाता है?

उत्तर मित्र हमें उत्तम संकल्पों से दृढ़ करता है, दोषों और त्रुटियों से बचाता है, हमारे सत्य, पवित्रता और प्रेम को पुष्ट करता है तथा कुमार्ग पर जाने से रोकता है, हमारे भीतर उत्साह का संचार करता है। इस प्रकार हमें अच्छे–बुरे का ज्ञान होता रहता है। मित्रता से आत्मशिक्षा का कार्य सुगम हो जाता है।

ख. बाल्यावस्था और युवावस्था की मित्रता में क्या अंतर होता है?

उत्तर बाल्यावस्था की मित्रता चंचल होती हैं। साथ खेलने, पढ़ने या उठने–बैठने से मित्रता हो जाती है और मामूली बातों से उत्पन्न झगड़े या वाद–विवाद के साथ यह समाप्त भी हो जाती है। अधिकांशतः विद्यालय की मित्रता वहीं तक रह जाती है। ऐसी मित्रता में टिकाऊपन नहीं होता। इनमें स्वार्थ अधिक होता है।

युवावस्था की मित्रता दृढ़, शांत और गंभीर होती है। स्वार्थ की खाई बीच में नहीं आती। सदैव मित्र की मदद के लिए तत्पर रहते हैं।

ग. भिन्न प्रकृति और स्वभाव के लोगों में भी मित्रता क्यों बनी रहती है? उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर दृढ़ चित्त, परस्पर प्रेम, विश्वास एवं कर्तव्य–भावना के कारण भिन्न प्रकृति और स्वभाव के लोगों में भी मित्रता बनी रहती है। धैर्य, आत्म–संयम और आत्मबल का भी इसमें योगदान रहता है।

उदाहरणस्वरूप, हम राम और लक्ष्मण की मित्रता को ले सकते हैं। दोनों भाइयों के स्वभाव में बड़ा अंतर था। राम धीर–गंभीर प्रकृति के शांत–चित्त पुरूष थे। लक्ष्मण उग्र प्रकृति के थे। फिर भी दोनों में एक–दूसरे के प्रति अगाध प्रेम एवं सम्मान की भावना थी। अतः दोनों की मित्रता अनुकरणीय बन गई।

घ. कुसंग के ज्वर को सबसे भयानक क्यों कहा गया है?

उत्तर कुसंग का ज्वर केवल नीति और सद्वृत्ति का ही नाश नहीं करता, बल्कि बुद्धि का भी क्षय करता है, इसलिए उसे भयानक कहा गया है। कुसंगति हमारे सोचने–समझने की शक्ति का हरण कर लेती है जिससे हम अच्छे–बुरे का भेद करने में अक्षम हो जाते हैं और अवनति की ओर अग्रसर हो जाते हैं।

ङ सही मित्र का चुनाव करते समय हमें किन–किन बातों का ध्यान करना चाहिए?

उत्तर सही मित्र का चुनाव करते समय हमें निम्नलिखित बातों का ध्यान करना चाहिए –

1. मित्र अधिक दृढ़–संकल्प का न हो।
2. वह सद्गुणों से परिपूर्ण हो।

3. उसमें अच्छी–से–अच्छी माता का–सा धैर्य और कोमलता हो।

4. वह सच्चे पथ–प्रदर्शक के समान हो, विश्वसनीय हो।

5. वह भाई के समान हो।

6. वह प्रतिष्ठित, शुद्ध हृदय का, मृदुल, पुरूषार्थी, शिष्ट और सत्यनिष्ठ हो।

7. उसमें उत्तम वैद्य की–सी निपुणता और परख हो।

4. मूल्यपरक प्रश्न

क. सही मित्र का चुनाव नहीं होने से हमारे जीवन में क्या प्रभाव पड़ता है?

उत्तर सही मित्र का चुनाव नहीं होने से हमारे जीवन पर बुरा प्रभाव पड़ता है। हम निरंतर कुमार्ग की ओर बढ़ते चले जाते हैं जिससे जीवन कष्टमय हो जाता है। जीवन में असफलता मिलने से कुंठा और अवसाद के शिकार होकर तिल–तिल कर घुटते हैं और अंततः मृत्यु का वरण कर लेते हैं।

5. सही विकल्प के सामने शुद्ध (✓) का चिह्न लगाइए –

क. जीवन की औषध क्या है?

दुश्मन | विश्वासपात्र मित्र ✓ | विश्वासघाती मित्र | धन–दौलत

ख. कितनी बातें देखकर मित्रता की जाती है?

दो चार ✓ | दो–तीन | पाँच–छह | तीन–चार

ग. सुग्रीव ने किसका पल्ला पकड़ा था?

हनुमान | राम ✓ | लक्ष्मण | भरत

घ. सच्चा मित्र कैसा होना चाहिए?

हँसमुख | साथ रहने वाला | सच्चा पथ–प्रदर्शक ✓ | जान–पहचान

6. सही कथन के सामने सत्य और गलत के कथन के आगे असत्य लगाइए –

उत्तर क. सत्य

ख. असत्य

ग. सत्य

घ. असत्य

ङ सत्य

च. सत्य

7. सुमेलित कीजिए –

हँसमुख	चेहरा
विश्वासपात्र	मित्र
स्वच्छंद	प्रकृति
फूहड़	बातें
सच्चा मित्र	पथ–प्रदर्शक